



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 428] नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 27, 1990/श्रावण 5, 1912
No. 428] NEW DELHI, FRIDAY, JULY 27, 1990/SRAVANA 5, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कृषि मंत्रालय
(कृषि और सहकारिता विभाग)

आदेश

नं० १००० २७ जुलाई १९९०

का. आ. ३९४(अ):— बहुउद्देश्य सहकारी संस्थाएँ अधिनियम, १९८४ (१९८४ का ५१) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिनियम कहा गया है), धारा ४८ की उपधारा (१) में यह उपबन्ध है कि अपने किसी बहुउद्देश्य संस्थान या संघों के निदेशक बोर्डों का प्रतिकरण किया जाता है। इस केन्द्रीय सूची द्वारा (क) में आये संस्थानों को संसाधनों के कार्यकलापों का एक वर्ष से अधिक की ऐसा अवधि के लिए जो संबंधित केन्द्रीय रजिस्ट्रार के विवेक पर,

समय-समय पर बढ़ाई जा सकेगी, किन्तु जिसकी कुल अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होगी, प्रबंध करने के लिए नियुक्त कर सकेगा ;

और नेशनल कोऑपरेटिव कन्ज्यूमर्स फेडरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, नई दिल्ली की बाबत प्रशासक की नियुक्ति के लिए दो वर्ष की उक्त अवधि 14-10-89 को समाप्त हो चुकी थी।

और भारत सरकार के क्रमशः का. आ. सं. 796(अ) तारीख 9 अक्तूबर, 1989 और का. आ. 519 (अ) तारीख 28 जून 1990 द्वारा नेशनल कोऑपरेटिव कन्ज्यूमर्स फेडरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड की बाबत अधिनियम की धारा 48 की उपधारा (1) के उपबंधों से छूट प्रदान करके प्रशासक की नियुक्ति की अवधि को 30-6-90 और 30-7-90 तक बढ़ा दिया गया था ;

और नागरिक पूर्ति विभाग ने जो नेशनल कोऑपरेटिव कन्ज्यूमर्स फेडरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड का प्रशासनिक विभाग है, 31 अगस्त, 1990 तक की और अवधि के लिए प्रशासक को बनाए रखने की सिफारिश की है, जिससे कि नेशनल कोऑपरेटिव कन्ज्यूमर्स फेडरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड निवेशक बोर्ड का पुनर्गठन कर सके।

और कृषि और सहकारिता विभाग ने यह आवश्यक समझा है कि नेशनल कोऑपरेटिव कन्ज्यूमर्स फेडरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड के निवेशक बोर्ड के निर्वाचन कराने के प्रयोजन के लिए अधिनियम की धारा 48 की उपधारा (1) के उपबंधों से छूट की अवधि को 30 जुलाई, 1990 के पश्चात् 31 अगस्त, 1990 तक और बढ़ाया जाए।

अतः अख्य केन्द्रीय सरकार, अधिनियम की धारा 899 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नेशनल कोऑपरेटिव कन्ज्यूमर्स फेडरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, नई दिल्ली को अधिनियम की धारा 48 की उपधारा (1) के उपबंधों से उक्त सीमा तक छूट देती है जिस तक प्रशासक नेशनल कोऑपरेटिव कन्ज्यूमर्स फेडरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, के कार्यकलापों का 31 अगस्त, 1990 तक की और अवधि के लिए प्रबंध करेगा।

[सं. एल -11011/11/89 एलएडएम]

आलोक भट्टाचार्य, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE
(Department of Agri. & Cooperation)
ORDER

New Delhi, the 27th July, 1990

S.O. 594(E).—Whereas sub-section (1) of section 48 of the Multi-Store Cooperative Societies Act, 1984 (51 of 1984) (hereinafter referred to as the

'Act') provides that where the Board of Directors of a multi-state cooperative society is superseded, the Central Registrar may appoint one or more administrators to manage the affairs of the society for such period not exceeding one year which period may, at the discretion of the Central Registrar, be extended from time to time, so, however, that the aggregate period does not exceed two years;

And whereas, the said period of two years for the appointment of an administrator in respect of National Cooperative Consumers Federation of India Ltd., New Delhi expired on 14-10-89;

And whereas, the period of appointment of the administrator was extended for a further period upto 30-6-90 and 30-7-90 by granting an exemption from the provisions of sub-section (1) of section 48 of the Act in respect of the National Cooperative Consumers Federation of India Limited as per S.O. No. 796(E) dated 9th October, 1989 of the Government of India and S.O. No. 519(E) dated 28th June, 1990 respectively;

And whereas, the Department of Civil Supplies, the administrative department for the National Cooperative Consumers Federation of India Limited has recommended the continuance of the administrator for a further period upto 31st August, 1990 to enable the National Cooperative Consumers Federation of India Limited to reconstitute the Board of Directors of the National Cooperative Consumers Federation of India Limited.

And whereas, the Department of Agriculture and Cooperation considered it necessary further to extend the period of exemption beyond 30th July, 1990 and upto 31st August, 1990 from the provisions of sub-section (1) of section 48 of the Act for the purpose of holding election to the Board of Directors of the National Cooperative Consumers Federation of India Limited.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 99 of the Act, the Central Government hereby exempts the National Cooperative Consumers Federation of India Limited, New Delhi from the provisions of sub-section (1) of section 48 of the Act to the extent that the administrator will manage the affairs of the National Cooperative Consumers Federation of India Limited for a further period upto 31st August, 1990.

[No. L-11011/11/89-L&M]

ALOK BHATNAGAR, Under Secy.

